हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

तथा

हिंदी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भाषिक संदर्भ में हिंदी के विकास की दिशाएँ एवं चुनौतियाँ
राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक : **27-28 फरवरी, 2019**

प्रतिवेदन

संगोष्ठी का आरंभ आगत स्वागत के साथ विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक संगीत प्रस्तुति से हुआ। देश के विभिन्न हिस्सों से पधारे विद्वानों और प्रबुद्ध प्रतिभागियों का स्वागत गौहाटी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. दिलीप कुमार मेधि ने किया। संगोष्ठी की उद्देश्य व्याख्या डॉ. अच्युत शर्मा ने प्रस्तुत की तथा उद्घाटन भाषण गौहाटी विश्वविद्यालय के रेक्टर प्रो. हरिप्रसाद शर्मा ने प्रस्तुत किया। इस सत्र में बीज वक्तव्य भाषा विद्यापीठ, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के अधिष्ठाता प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल ने दिया। उन्होंने हिंदी के प्रसार और प्रचार की योजनाओं की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए हिंदी की प्रासंगिकता को बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप में हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, वर्धा विश्वविद्यालय के संयुक्त निदेशक प्रो. अवधेश कुमार उपस्थित रहे उन्होंने हिंदी भाषा और साहित्य के ऐतिहासिक प्रसंगों पर बात करते हुए हिंदी की आवश्यकता को देश की एकता से जोड़ते हुए, उसके विकास की यात्रा को व्यापक बनाए जाने पर बल दिया। इस सत्र में उपस्थित विद्वानों और प्रतिभागियों को धन्यवाद डॉ. रीतामणि वैश्य ने ज्ञपित किया।

संगोष्ठी में उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रो. दिलीप कुमार मेधि, अध्यक्ष हिंदी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी

संगोष्ठी में बीज वक्तव्य देते हुए प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल, अधिष्ठाता, भाषा विद्यापीठ, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

संगोष्ठी के प्रथम सत्र का आयोजन गौहाटी विश्वविद्यालय के फणीधर दत्त सेमिनार हॉल में आयोजित हुआ। सत्र की अध्यक्षता भाषा विद्यापीठ, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के अधिष्ठाता प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल ने की तथा संचालन हिंदी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय के प्रो. दिलीप कुमार मेधि ने किया। इस सत्र के प्रमुख वक्ता मणिपुर विश्वविद्यालय से आईं प्रो. सुबोधिनी, तेजपुर विश्वविद्यालय से पधारे डॉ. सूर्यकांत त्रिपाठी और हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, वर्धा विश्वविद्यालय के संयुक्त निदेशक प्रो. अवधेश कुमार उपस्थित रहे है। इस सत्र में हिंदी के भाषिक संदर्भों पर विस्तृत परिचर्चा हुई। उक्त विद्वानों ने हिंदी की विशेषताओं और विज्ञानिकता पर गंभीर प्रकाश डाला।

संगोष्ठी में वक्तव्य देते हुए प्रो. अवधेश कुमार, संयुक्त निदेशक, हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र, म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता तेजपुर विश्वविद्यालय से पधारे डॉ. अनंत कुमार नाथ ने की तथा संचालन गौहाटी विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अच्युत शर्मा ने किया। इस सत्र में प्रमुख वक्ताओं में नेहू से प्रो. दिनेश कुमार चौबे, डॉ. शैलेन्द्र सिंह, तथा प्रो. ओकेन लेगो मौजूद रहे। इस सत्र में हिंदी के विकास की दिशाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। तृतीय सत्र की अध्यक्षता प्रो. दिनेश कुमार चौबे ने की। इस सत्र का संचालन डॉ. रीतामणि वैश्य ने किया। इस सत्र के वक्ता राजीव गांधी विश्वविद्यालय एसई प्रो. हरीश शर्मा, नेहू से प्रो. हितेन्द्र कुमार मिश्र तथा कॉटन विश्वविद्यालय से डॉ. जितेंद्र गुप्ता, केंद्रीय हिंदी संस्थान गौहाटी से डॉ. राजवीर सिंह और अरुणाचल से डॉ. सत्यप्रकाश पाल सत्र में मौजूद रहे जिन्होंने विषयगत अपने वक्तव्यों में गंभीर बाते कहीं।

संगोष्ठी में प्रतिभागी तथा विद्यार्थीगण

अगले दिन समानान्तर सत्रों में देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिभागी और गौहाटी विश्वविद्यालय के शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इन शोधपत्रों पर वरिष्ठ विद्वानों ने अपनी राय रखी तथा परिचर्चा भी हुई।